प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 2

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा – दसवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

डॉ. कलाम को 'मिसाइल मैन' कहा जाता है। जब ये छठी कक्षा में पढ़ते थे, तभी समाचार-पत्र में दूसरे महायुद्ध के सुप्रसिद्ध बमवर्षक विमान 'स्पटफायर' (मंत्रवाण) के विषय में पढ़कर इन्होंने वैमानिकी के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने का निश्चय कर लिया था। यही नहीं, वैमानिकी की हर बारीकी इन्होंने अपने छात्र-जीवन में ही भली प्रकार जान ली थी। डॉ. कलाम के शब्दों में- "विज्ञान वैदिक साहित्य की तरह है, सरस और संवेदनशील"। 1958 में ये रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से जुड़ गए और 1980 तक के लंबे सेवाकाल में इन्होंने देश को अंतरिक्ष अनुसंधान की बुलंदी तक पहुँचाया। इस श्रृंखला में 1967 में रोहिणी-75 रॉकेट छोड़ा, भारत का पहला उपग्रह प्रक्षेपणयान एस.एल.बी.-3 का श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण किया गया। इतना ही नहीं, 1982 में डी.आर.डी.ओ. निदेशक के रूप में इन्होंने मिसाइल परियोजना के तहत पाँच प्रमुख मिसाइल कार्यक्रमों पर अनुसंधान किए। 1983 में आई.जी.एच.डी.पी. का प्रक्षेपण किया व 1984 में प्रथम स्वदेशी जड़त्व निर्देशित प्रणाली के लिए मिसाइल का परीक्षण किया। सन् 1985 में 'रिसर्च सेंटर' की आधारशिला रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपका मूल मंत्र है- "विजन, मिशन और गोल।"

(i) डॉ. कलाम को बमवर्षक विमान की जानकारी कहाँ से मिली?

क) मित्रों से
ख) समाचार-पत्रों से
ग) पुस्तकों से
घ) अध्यापकों से

(ii) डॉ. कलाम ने विज्ञान को किसके समान सरस और संवेदनशील बताया?

क) संस्कृत साहित्य के
ख) वैदिक साहित्य के समान

ग) पुराणों के | घ) भक्तिकालीन साहित्य के

(iii) भारत के प्रथम उपग्रह प्रेक्षण यान का नाम है ________।

क) आई.जी.एच.डी.पी. | ख) विमान 'स्पटफायर'

ग) एस.एल.बी.-3 | घ) रोहिणी-75

(iv) डॉ. कलाम का मूल मंत्र निम्नलिखित में से कौन-सा है?

क) विजन, मिशन और गोल | ख) सृजन, मिशन और गोल

ग) विजन, गगन और गोल | घ) मिशन प्रशिक्षण और गोल

(v) **कथन (A):** डॉ. अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन कहा जाता है।
कारण (R): वे बचपन से ही वैमानिकी की हर बारीकी से परिचित थे।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। | ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है। | घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है। संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं, किंतु बाहय उपादानों में अंतर अवश्य आता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है, अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं, संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।
अपनी संस्कृति को छोड़, विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुंच रही है, वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्‌भुत क्षमता रही है। अतः आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवनशक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

(i) आधुनिक युग में संस्कृतियों में परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण बताइए।

क) बाह्य उपादान में अंतर

ख) आस्था का डिगना

ग) अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण

घ) आस्था का डिगना

(ii) अविवेकी अनुकरण किसका पर्याय है?

क) साक्षरता का

ख) अज्ञानता का

ग) संस्कृति का

घ) ज्ञान का

(iii) संस्कृति के निर्माण में किसका योगदान है?

क) सभी

ख) केवल जाति का

ग) केवल देश का

घ) जाति और देश का

(iv) हम अपनी सांस्कृतिक संपदा की उपेक्षा क्यों नहीं कर सकते?

क) क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है

ख) क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप है

ग) क्योंकि यह हमारी संस्कृति है

घ) क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं है

(v) हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है-

i. हमारी आस्था का डिगना

ii. विदेशी संस्कृति का अन्धानुकरण

iii. अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करना

iv. त्याग और ग्रहण की क्षमता

क) कथन i, ii व iv सही हैं

ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन ii, iii व iv सही हैं

घ) कथन ii सही है

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) मुझे शोर **<u>सुनाई पड़ रहा है</u>**। रेखांकित में पदबंध है- **[1]**

क) सर्वनाम पदबंध

ख) क्रियाविशेषण पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध 	घ) क्रिया पदबंध

(ii) किस वाक्य में रेखांकित शब्द क्रियाविशेषण पदबंध नहीं है ? **[1]**

क) आप **कल शाम को चार बजे** मुझसे मिलिए। 	ख) मेरा घर **पहाड़ी के पीछे** है।

ग) बच्चा **खाना खाकर स्कूल** गया। 	घ) **पुरानी जर्जर हवेली** का मालिक कौन है?

(iii) **रात को पहरा देनेवाला** आज घर चला गया। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) सर्वनाम पदबंध 	ख) संज्ञा पदबंध

ग) क्रिया पदबंध 	घ) विशेषण पदबंध

(iv) **दीपक की बड़ी बहन दीपिका** कल आयी थी। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) सर्वनाम पदबंध 	ख) क्रिया विशेषण पदबंध

ग) विशेषण पदबंध 	घ) संज्ञा पदबंध

(v) **वे माँ से कहानी सुनते रहते हैं।** वाक्य में क्रिया-पदबंध है- **[1]**

क) वे माँ से 	ख) कहानी सुनते

ग) सुनते रहते हैं 	घ) माँ से कहानी

4. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) लाभदायक कार्य करो। (मिश्र वाक्य) **[1]**

क) लाभ वाला कार्य ही करो। 	ख) ऐसा कार्य करो जिसमें लाभ हो।

ग) लाभ वाला कार्य करो। 	घ) वही कार्य करो जो लाभदायक हो।

(ii) सुजाता सब्जी खरीदने बाजार गई, का संयुक्त वाक्य बनेगा- **[1]**

क) बाजार जाते ही सुजाता ने सब्जी खरीदी। 	ख) सुजाता ने बाजार जाते ही सब्जी खरीदी।

ग) सुजाता बाजार गई, क्योंकि उसे सब्जी खरीदनी थी। 	घ) जब सुजाता बाजार गई तब उसने सब्जी खरीदी।

(iii) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य चुनकर लिखिए- **[1]**

i. निकोबार द्वीप के विभक्त होने की एक लोककथा है जो आज भी दोहराई जाती है
ii. निकोबार द्वीप के विभक्त होने की एक लोककथा आज भी दोहराई जाती है
iii. आज भी दोहराई जाने वाली एक लोककथा निकोबार द्वीप के विभक्त होने की है
iv. निकोबार द्वीप के विभक्त होने की एक लोककथा है और वह आज भी दोहराई जाती है।

क) विकल्प (iii)   ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i)   घ) विकल्प (iv)

(iv) **जो छात्र परिश्रम करेंगे उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।** सरल वाक्य में बदलिए- **[1]**

क) परिश्रम सफलता की कुंजी है।   ख) छात्र परिश्रम कर सफल होना पड़ता है।

ग) परिश्रमी छात्र अवश्य सफल होंगे।   घ) सबको परिश्रम करना पड़ता है।

(v) **बड़े भाई साहब को कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला परंतु वे चुप रहे।** वाक्य-रचना की दृष्टि से है- **[1]**

क) मिश्र वाक्य   ख) विधानवाचक वाक्य

ग) सरल वाक्य   घ) संयुक्त वाक्य

5. **निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) विशेषण और विशेष्य के योग से कौन-सा समास बनता है? **[1]**

क) कर्मधारय   ख) द्वंद्व

ग) तत्पुरुष   घ) द्विगु

(ii) 'जीवन का साथी' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए। **[1]**

क) जीवनसाथी - समस्त पद अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम   ख) साथीजीवन - समस्त पद संबंध तत्पुरुष समास - समास का नाम

ग) जीवनसाथी - समस्त पद संबंध तत्पुरुष समास - समास का नाम   घ) जीवनसाथी - समस्त पद कर्मधारय समास - समास का नाम

(iii) **आठ (अष्ठ) सिद्धियों का समूह** शब्द समूह के लिए समास है- **[1]**

क) द्विगु ख) द्वंद्व

ग) अव्ययी भाव घ) कर्मधारय

(iv) **हाथों-हाथ** समस्तपद का विग्रह है: **[1]**

क) हाथों ही हाथों में ख) हाथ के बीच में

ग) हाथों ही हाथों पर घ) हाथ ही हाथ में

(v) **भाई-बहन** में कौन-सा समास है? **[1]**

क) तत्पुरुष ख) बहुव्रीहि

ग) द्वंद्व घ) द्विगु

6. **निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए: **[1]**
शिकारी की एक ही गोली ने आदमखोर शेर का ________ दिया।

क) धूल में मिलाना ख) धूल चटाना

ग) खाक में मिलाना घ) काम तमाम करना

(ii) **छोटे भाई की लापरवाही देखकर बड़े भाई साहब ने उसे ________।** नीचे दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **[1]**

क) सीधे हाथ लेना ख) हाथों-हाथ लेना

ग) आड़े हाथों लेना घ) सिर-माथे लेना

(iii) साइकिल की सवारी करना आजकल के युवाओं के लिए ________ है। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **[1]**

क) शान में बट्टा लगना ख) सिर झुकाना

ग) मैदान मारना घ) यम की यातना करना

(iv) पुत्र की हरकतों से तंग आकर पिता ने उसे ________। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए- **[1]**

क) घर से निकाल दिया ख) कहीं का न रखा

ग) तिलांजलि दे दी   घ) ठिकाने लगा दिया

(v) गरीब माँ-बाप अपना ________ कर बच्चों को पढ़ाते हैं और वे चिंता नहीं करते। रिक्त-स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए। **[1]**

क) गला काट   ख) मन लगा

ग) पेट काट   घ) खून बहा

(vi) हाथ से जाने न देना **[1]**

क) अवसर का लाभ उठाना   ख) किसी के हाथ बाँधना

ग) कसकर पकड़े रखना   घ) हाथ में पकड़ना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) रंतिदेव कौन थे?

क) सेनापति   ख) एक दानी राजा

ग) ऋषि   घ) महाराजा

(ii) कबूतर को बचाने के लिए राजा शिवि ने क्या किया?

क) इनमें से कोई नहीं   ख) अपना भोजन दान दिया

ग) अपना राज्य दान किया   घ) अपने मांस का दान दिया

(iii) किसने अपने कवच-कुंडल दान में दिए?

क) रंतिदेव ने   ख) राजा शिवि ने

ग) दधीचि ने   घ) कुंती पुत्र कर्ण ने

(iv) वास्तव में असली मनुष्य किसको माना है?

क) जो परोपकारी भाव रखता है।   ख) जो अपने लिए जीता है।

ग) जो दूसरों की चिंता करता है।

घ) जो संसार को त्यागकर तपस्वी बन जाता है।

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. कर्ण ने अपने कवच का दान कर दिया था।

ii. दधीचि ने अपनी अस्थियों का दान कर दिया था।

iii. कर्ण ने अपने शरीर का चर्म और मांस का दान कर दिया था।

iv. गंधार देश के राजा ने अपनी सारी संपत्ति दान कर दी थी।

v. रंतिदेव एक परम दानी राजा था।

पद्यांश के अनुसार उपरोक्त वाक्यों में से कौन सही नहीं है-

क) (iv), (v)

ख) (i), (ii)

ग) (i), (ii), (v)

घ) (iii), (iv)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) कैफ़ी आजमी मूलतः किस भाषा के शायर हैं? **[1]**

क) फ़ारसी

ख) यूनानी

ग) उर्दू

घ) अरबी

(ii) **काटी कुण्जर पीर** से क्या तात्पर्य है? **[1]**

क) हाथी के पाँव को काटना

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) हाथी को मोक्ष प्रदान किया

घ) हाथी को पीड़ा से मुक्त किया

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

"इस तरह अंग्रेज़ी पढ़ोगे, तो ज़िदगी-भर पढ़ते रहोगे और एक हर्फ़ न आएगा। अंग्रेज़ी पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं है कि जो चाहे, पढ़ ले, नहीं ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा सभी अंग्रेज़ी के विद्वान हो जाते। यहाँ रात-दिन आँखें फोड़नी पड़ती हैं और खून जलाना पड़ता है, तब कहीं यह विद्या आती है और आती क्यों है, हाँ कहने को आ जाती है। बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख सकते, बोलना तो दूर रहा। और में कहता हूँ, तुम कितने घोंघा हो कि मुझे देखकर भी सबक नहीं लेते। मैं कितनी मेहनत करता हूँ, यह तुम अपनी आँखों से देखते हो, अगर नहीं देखते, तो यह तुम्हारी आँखों का कसूर है, तुम्हारी बुद्धि का कसूर है। इतने मेले-तमाशे होते हैं, मुझे तुमने कभी देखने जाते देखा है? रोज़ ही क्रिकेट और हॉकी मैच होते हैं। मैं पास नहीं फटकता। हमेशा पढ़ता रहता हूँ। उस पर भी एक-एक दरजे में दो-दो, तीन-तीन साल पड़ा रहता हूँ, फिर भी तुम कैसे आशा करते हो कि तुम यों खेल-कूद में वक्त गँवाकर पास हो जाओगे? मुझे तो दो ही तीन साल लगते हैं, तुम उम्र-भर इसी दरजे में पड़े सड़ते रहोगे? अगर

तुम्हें इस तरह उम्र गँवानी है, तो बेहतर है, घर चले जाओ और मजे से गुल्ली-डंडा खेलो। दादा की गाढ़ी कमाई के रुपये क्यों बरबाद करते हो?"

(i) कहानीकार का नाम लिखिए

क) रवीन्द्र केलेकर | ख) लीलाधर मंडलोई
ग) हबीबी तनवीर | घ) प्रेमचंद

(ii) बड़े भाई साहब ने लेखक को किसलिए डाँटा?

क) लापरवाही के कारण | ख) सभी
ग) मटरगश्ती के कारण | घ) पढ़ाई न करने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेजी बोल और लिख नहीं सकते हैं।
कारण (R): तुम मुझे देखकर भी सबक नहीं लेते हो।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) बड़ा भाई लेखक को किस-किस चीज का वास्ता देकर पढ़ने के लिए प्रेरित करता है?

क) अंग्रेजी की पढ़ाई बहुत कठिन होती है
ख) सभी
ग) दादा की मेहनत की कमाई को बेकार में न बहाओ
घ) लोग मेहनत के बाबजूद बार-बार फेल हो जाते हैं

(v) बड़ा भाई लेखक को उम्र भर एक दरजे में पड़े रहने का डर क्यों दिखाता है?

क) अज्ञानता के कारण | ख) सभी
ग) अयोग्यता के कारण | घ) पढ़ाई कठिन लगने के कारण

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **तीसरी कसम** फ़िल्म को कौन-से पुरस्कार मिले? **[1]**

क) राष्ट्रपति से स्वर्ण पदक | ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) मास्को फ़िल्म फेस्टिवल से | घ) सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म बंगाल फ़िल्म एसोसिएशन जर्नलिस्ट से

(ii) **तताँरा-वामीरो कथा** में युवती को गीत गाने के लिए कौन कह रहा था ? **[1]**

क) तताँरा | ख) वामीरो

ग) आस पास के लोग | घ) उसकी माता जी

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) वृजलाल गोयनका कौन थे? झंडा दिवस को सफल बनाने में उनकी भूमिका पर डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए। **[3]**

(ii) कारतूस पाठ के आधार पर वज़ीर अली की बहादुरी व हिम्मत का परिचय अपने शब्दों में दीजिए। **[3]**

(iii) **झेन की देन** पाठ में वर्णित टी-सेरेमनी का शब्द चित्र प्रस्तुत कीजिए। **[3]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? **तोप** कविता के आधार पर स्पष्ट करते हुए तोप की विशेषताएँ भी लिखिए। **[3]**

(ii) आत्मत्राण कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? **[3]**

(iii) पर्वत प्रदेश में पावस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) हरिहर काका एक नए शोषित वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं,- इस कथन पर अपने तर्क प्रस्तुत करते हुए विचार कीजिए। **[3]**

(ii) **सपनों के-से दिन** पाठ में स्काउट परेड करते समय लेखक अपने को महत्वपूर्ण **आदमी** फ़ौजी जवान क्यों समझने लगता था? **[3]**

(iii) घर में ले देकर बूढ़ी नौकरानी सीता थी जो उसका दुःख-दर्द समझती थी। तो वह उसी के पल्लू में चला गया और सीता की छाया में जाने के बाद उसकी आत्मा भी छोटी हो गई। टोपी और बूढ़ी नौकरानी दोनों में एक-दूसरे के प्रति सद्भाव होने का क्या कारण था? इनके व्यवहार से क्या शिक्षा मिलती है? **[3]**

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **लड़का-लड़की एकसमान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- ईश्वर की देन
- भेदभाव के कारण
- दृष्टिकोण कैसे बदलें

अथवा

आज की बचत कल का सुख विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

अथवा

फ्लैट सिस्टम विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान जीवन शैली
- सुविधाएँ-मकानों का अभाव
- हानियाँ

15. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवाने की आवश्यकता समझाते हुए दिल्ली के शिक्षा-मंत्री के नाम एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके घर में पिछले कई दिनों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। इस समस्या के शीघ्रातिशीघ्र समाधान के लिए नगर-निगमाधिकारी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

16. कोलकाता के मैजेस्टिक क्लब द्वारा एक मेगा चैरिटी शो उन लोगों के लिए भवन निर्माण हेतु रखा गया है, जो गलियों में रहते हैं। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों के लिए सचिव की तरफ से 20-25 शब्दों में सूचना लिखिए। **[4]**

अथवा

आप मोहन चटर्जी/मोहिनी चटर्जी हैं और सर्व शिक्षा विद्यालय के विद्यार्थी परिषद् के/की अध्यक्ष/अध्यक्षा हैं। अपने विद्यालय में आयोजित होने वाली साइबर-सुरक्षा कार्यशाला संबंधी जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

17. विद्यालय के **अहंग समूह** द्वारा प्रस्तुत ताजमहल नाटक के बारे में नाम, पात्र, दिन, समय, टिकट आदि की सूचना देते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

पर्स विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

18. **सोशल साइट्स की कहानी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आप बतौर अध्यापक कार्यरत हैं लेकिन आप किसी कारण से अब अपना व्यवसाय बदलना चाहते हैं। नौकरी से त्यागपत्र देते हुए विद्यालय प्रमुख को **80** शब्दों में ई-मेल लिखिए। आपका नाम प्रेरणा/प्रतीक है।

Answers

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

डॉ. कलाम को 'मिसाइल मैन' कहा जाता है। जब ये छठी कक्षा में पढ़ते थे, तभी समाचार-पत्र में दूसरे महायुद्ध के सुप्रसिद्ध बमवर्षक विमान 'स्पटफायर' (मंत्रवाण) के विषय में पढ़कर इन्होंने वैमानिकी के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने का निश्चय कर लिया था। यही नहीं, वैमानिकी की हर बारीकी इन्होंने अपने छात्र-जीवन में ही भली प्रकार जान ली थी। डॉ. कलाम के शब्दों में-"विज्ञान वैदिक साहित्य की तरह है, सरस और संवेदनशील"। 1958 में ये रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से जुड़ गए और 1980 तक के लंबे सेवाकाल में इन्होंने देश को अंतरिक्ष अनुसंधान की बुलंदी तक पहुँचाया। इस श्रृंखला में 1967 में रोहिणी-75 रॉकेट छोड़ा, भारत का पहला उपग्रह प्रक्षेपणयान एस.एल.बी.-3 का श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण किया गया। इतना ही नहीं, 1982 में डी.आर.डी.ओ. निदेशक के रूप में इन्होंने मिसाइल परियोजना के तहत पाँच प्रमुख मिसाइल कार्यक्रमों पर अनुसंधान किए। 1983 में आई.जी.एच.डी.पी. का प्रक्षेपण किया व 1984 में प्रथम स्वदेशी जड़त्व निर्देशित प्रणाली के लिए मिसाइल का परीक्षण किया। सन् 1985 में 'रिसर्च सेंटर' की आधारशिला रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपका मूल मंत्र है- "विजन, मिशन और गोल।"

(i) **(ख)** समाचार-पत्रों से
व्याख्या: समाचार-पत्रों से

(ii) **(ख)** वैदिक साहित्य के समान
व्याख्या: वैदिक साहित्य के समान

(iii) **(ग)** एस.एल.बी.-3
व्याख्या: एस.एल.बी.-3

(iv) **(क)** विजन, मिशन और गोल
व्याख्या: विजन, मिशन और गोल

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है। संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं, किंतु बाहय उपादानों में अंतर अवश्य आता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है, अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं, संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।
अपनी संस्कृति को छोड़, विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो

ठेस पहुंच रही है, वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्‌भुत क्षमता रही है। अतः आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवनशक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

(i) **(ग)** अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण
व्याख्या: अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण

(ii) **(ख)** अज्ञानता का
व्याख्या: अज्ञानता का

(iii) **(घ)** जाति और देश का
व्याख्या: जाति और देश का

(iv) **(क)** क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है
व्याख्या: क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है

(v) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: क्रिया पदबंध

(ii) **(घ)** **पुरानी जर्जर हवेली** का मालिक कौन है?
व्याख्या: प्रस्तुत वाक्य में क्रियाविशेषण पदबंध नहीं है क्योंकि इसमें संज्ञा पद के साथ विशेषण पद आया है।

(iii) **(ख)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

(iv) **(घ)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

(v) **(ग)** सुनते रहते हैं
व्याख्या: सुनते रहते हैं

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** ऐसा कार्य करो जिसमें लाभ हो।
व्याख्या: ऐसा कार्य करो जिसमें लाभ हो।

(ii) **(ग)** सुजाता बाजार गई, क्योंकि उसे सब्जी खरीदनी थी।
व्याख्या: सुजाता बाजार गई, क्योंकि उसे सब्जी खरीदनी थी।

(iii) **(ग)** विकल्प (i)
व्याख्या: निकोबार द्वीप के विभक्त होने की एक लोककथा है जो आज भी दोहराई जाती है
(iv) **(ग)** परिश्रमी छात्र अवश्य सफल होंगे।
व्याख्या: परिश्रमी छात्र अवश्य सफल होंगे।
(v) **(घ)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** कर्मधारय
व्याख्या: कर्मधारय
(ii) **(ग)** जीवनसाथी - समस्त पद
संबंध तत्पुरुष समास - समास का नाम
व्याख्या: 'का' कारक चिह्न के कारण संबंध तत्पुरुष समास है। साथी का जीवन के साथ संबंध बताया गया है।
(iii) **(क)** द्विगु
व्याख्या: द्विगु
(iv) **(घ)** हाथ ही हाथ में
व्याख्या: हाथ ही हाथ में
(v) **(ग)** द्वंद्व
व्याख्या: द्वंद्व

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(घ)** काम तमाम करना
व्याख्या: काम तमाम करना
(ii) **(ग)** आड़े हाथों लेना
व्याख्या: आड़े हाथों लेना
(iii) **(क)** शान में बट्टा लगना
व्याख्या: शान में बट्टा लगना
(iv) **(ग)** तिलांजलि दे दी
व्याख्या: तिलांजलि दे दी
(v) **(ग)** पेट काट
व्याख्या: पेट काट
(vi) **(क)** अवसर का लाभ उठाना
व्याख्या: अवसर का लाभ उठाना - उसने सरकारी नौकरी के बुलावे को हाथ से जाने नहीं दिया।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(ख)** एक दानी राजा
व्याख्या: एक दानी राजा

(ii) **(घ)** अपने मांस का दान दिया
व्याख्या: अपने मांस का दान दिया

(iii) **(घ)** कुंती पुत्र कर्ण ने
व्याख्या: कुंती पुत्र कर्ण ने

(iv) **(क)** जो परोपकारी भाव रखता है।
व्याख्या: जो परोपकारी भाव रखता है।

(v) **(घ)** (iii), (iv)
व्याख्या: कर्ण ने अपने शरीर का चर्म दान कर दिया था। गंधार देश के राजा ने अपने शरीर के मांस को दान कर दिया थी।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ग)** उर्दू
व्याख्या: कैफ़ी आजमी मूलतः उर्दू भाषा के शायर हैं।

(ii) **(घ)** हाथी को पीड़ा से मुक्त किया
व्याख्या: प्रस्तुत पंक्ति का तात्पर्य है कि हाथी को पीड़ा से मुक्त किया।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

"इस तरह अंग्रेज़ी पढ़ोगे, तो ज़िदगी-भर पढ़ते रहोगे और एक हर्फ़ न आएगा। अंग्रेज़ी पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं है कि जो चाहे, पढ़ ले, नहीं ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा सभी अंग्रेज़ी के विद्वान हो जाते। यहाँ रात-दिन आँखें फोड़नी पड़ती हैं और खून जलाना पड़ता है, तब कहीं यह विद्या आती है और आती क्यों है, हाँ कहने को आ जाती है। बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख सकते, बोलना तो दूर रहा। और में कहता हूँ, तुम कितने घोंघा हो कि मुझे देखकर भी सबक नहीं लेते। मैं कितनी मेहनत करता हूँ, यह तुम अपनी आँखों से देखते हो, अगर नहीं देखते, तो यह तुम्हारी आँखों का कसूर है, तुम्हारी बुद्धि का कसूर है। इतने मेले-तमाशे होते हैं, मुझे तुमने कभी देखने जाते देखा है? रोज़ ही क्रिकेट और हॉकी मैच होते हैं। मैं पास नहीं फटकता। हमेशा पढ़ता रहता हूँ। उस पर भी एक-एक दरजे में दो-दो, तीन-तीन साल पड़ा रहता हूँ, फिर भी तुम कैसे आशा करते हो कि तुम यों खेल-कूद में वक्त गँवाकर पास हो जाओगे? मुझे तो दो ही तीन साल लगते हैं, तुम उम्र-भर इसी दरजे में पड़े सड़ते रहोगे? अगर तुम्हें इस तरह उम्र गँवानी है, तो बेहतर है, घर चले जाओ और मजे से गुल्ली-डंडा खेलो। दादा की गाढ़ी कमाई के रुपये क्यों बरबाद करते हो?"

(i) **(घ)** प्रेमचंद
व्याख्या: प्रेमचंद
(ii) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी
(iii) **(ख)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(iv) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी
(v) **(घ)** पढ़ाई कठिन लगने के कारण
व्याख्या: पढ़ाई कठिन लगने के कारण

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।
(i) **(क)** राष्ट्रपति से स्वर्ण पदक
व्याख्या: राष्ट्रपति से स्वर्ण पदक
(ii) **(क)** तताँरा
व्याख्या: ततांँरा-वामीरो कथा में युवती को गीत गाने के लिए ततांँरा कह रहा था।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:
(i) वृजलाल गोयनका स्वतंत्रता सेनानी थे, जो कई दिनों से लेखक के साथ काम कर रहे थे। वे दमदम जेल में भी लेखक के साथ थे। वे झंडा दिवस 26 जनवरी, 1931 को सभास्थल की ओर जाते हुए पकड़े गए। पहले तो वे झंडा लेकर 'वंदे मातरम्' बोलते हुए इतनी तेज गति से भागे कि अपने आप गिर गए किंतु उठकर फिर से चलने लगे। एक अंग्रेज घुड़सवार ने उन्हें लाठी मारी और पकड़ा परंतु थोड़ी दूर जाने के बाद छोड़ दिया। इस पर वे स्त्रियों के झुंड में शामिल हो गए पुलिस ने उन्हें फिर से पकड़ कर दूर ले जाकर छोड़ दिया छोड़ दिया। तब वे दो सौ आदमियों का जुलूस लेकर लालबाजार गए जहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। मदालसा से यह पता चला कि उन्हें पुलिस ने बहुत मारा है। बृजलाल गोयंका यहां आंदोलनकारियों के उत्साह एवं देश भक्ति के प्रतीक बनकर उभरे हैं।
(ii) वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, इसका अनुमान उसके कारनामों से लग जाता है। अंग्रेजों ने षड़यंत्र द्वारा उसे तख़्त से हटाकर उसके पिता के भाई सआदत अली को नवाब घोषित कर दिया था । ऐसी विषम परिस्थितियों में भी उसने हार नहीं मानी तथा वह सदैव अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए प्रयत्नशील रहा। उसके पास चंद सिपाही ही थे फिर भी बरसों कर्नल की फौज को जंगलों में भटकाता रहा। उसने अपनी बहादुरी का लोहा दुश्मनों से भी मनवाया है। ऐसी ही एक घटना में एक बार, वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए कर्नल कालिंज और एक लेफ्टिनेंट ने फौज के साथ जंगल में डेरा डाल रखा था। बहुत प्रयास करने के बाद भी वे उसे नहीं पकड़ पा रहे थे। तब भी वह एक घुड़सवार रूप में डेरे में अकेला आया और कर्नल से एकांत में मिलकर वज़ीर अली को पकड़ने के लिए ही दस कारतूस ले लिए। चलते-चलते कर्नल ने सवार से उसका नाम

पूछा, तो उसने कहा, 'वज़ीर अली'। यह सुनकर कर्नल हक्का-बक्का रह गया और कुछ न कर सका।

(iii) जापानी लोग 'टी सेरेमनी' को 'चा-नो-यू' कहते हैं। लेखक जिस टी सेरेमनी में गया वहाँ 'टी सेरेमनी' का प्रबंध छः मंज़िली इमारत पर था। वह एक सुंदर पर्णकुटी थी जिसकी छत पर दफ्ती की दीवारों वाली चटाई लगी थी। बाहर एक मिट्टी का बर्तन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हाथ-पांव धोकर लेखक अंदर गए। अंदर जो मेजबान था वह उन्हें देख कर खड़ा हो गया। कमर झुकाकर उसने प्रणाम किया और स्वागत किया। वहाँ अंदर वातावरण इतना शांत था कि चायदानी में उबलते पानी की आवाज साफ़ सुनाई दे रही थी। वह बिना किसी जल्दबाजी के चाय बनाता था। वह कप में दो-तीन घूंट भर ही चाय देता था जिसे लोग धीरे-धीरे चुस्कियाँ लेकर एक डेढ़ घंटे में पीते थे। वातावरण इतना शांत था की चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) विरासत में मिली चीजों की सुरक्षा बड़ी सँभालकर इसलिए होती है क्योंकि वह पूर्वजों और बीते समय की देन होती है, उनका अपना महत्त्व और इतिहास होता है। इनसे हमें प्राचीन इतिहास की जानकारी मिलती हैं। 1857 की तोप जो कम्पनी बाग के प्रवेश द्वार पर स्थित है वह अंग्रेजों द्वारा हमें विरासत में सौंपी गई थी, जिसकी सँभाल भी की जाती है। यह वर्ष में दो बार चमकाई जाती है अर्थात इसका प्रयोग दो बार ही किया जाता है। इस तोप ने अच्छे-अच्छे वीर योद्धाओं के चिथड़े-चिथड़े उड़ा दिए थे। यह अपने समय में बहुत जबर थी। ब्रिटिश काल में अंग्रेजों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के वीर सेनानियों को इस तोप से बाँधकर उड़ा दिया जाता था।

(ii) आत्मत्राण शीर्षक कविता में कवि अपने बल पर अपने दुखों से छुटकारा पाना चाहता है। वह दुखों से मुक्ति नहीं चाहता अपितु दुखों को सहने तथा उनसे उबरने की शक्ति चाहता है। यह कविता हमें प्रेरणा देती है कि हम भी संसार के दुखों से भागें नहीं,उनका डटकर सामना करें। हम दुखों का निडरता से सामना करें, उन पर विजय प्राप्त करें और आस्थावान बने रहे। हम दुखों से घबराए नहीं, रोएँ नहीं, निराशावादी न बने। जीवन में सभी दुखों को सहन करने की शक्ति बनी रहे। हानि होने पर भी प्रभु पर किसी प्रकार का संदेह न हो,और उनपर हमेशा भरोसा रहे। यदि दुख में कोई सहायक न मिले तो हम डगमगाए नहीं। सुख के दिनों में भी हमारी आस्था का विशवास प्रभु में बना रहे। मुसीबत के क्षणों में भी परमात्मा को याद करें और उनके प्रति विनम्रता भाव प्रकट करना न भूले।इसके साथ ही हम ईश्वर से इस संसार के सारे कष्टों को पार करने की शक्ति देने की प्रार्थना करें।

(iii) 'पर्वत प्रदेश में पावस’ कविता पर्वतीय सौंदर्य को व्यक्त करने वाली कविता है। इस कविता में कवि ने पर्वत प्रदेशों में वर्षा ऋतु का वर्णन अत्यंत ही मनमोहक ढंग से किया है तथा अलंकारों का प्रयोग करके उसे जीवंत कर दिया है | वर्षा काल में प्रकृति में क्षण-क्षण होने वाला परिवर्तन देखकर लगता है कि प्रकृति सजने-धजने के क्रम में पल-पल अपना वेश बदल रही है। विशाल आकार वाला पर्वत अपने पुष्प रूपी आँखों से नीचे बहते हुए पानी में अपने बड़े आकार को बार-बार देख रहा है | तालाब का जल दर्पण के समान स्वच्छ और पारदर्शी है | पर्वतों से गिरते झरने सफ़ेद मोतियों की लड़ियों जैसे लगते हैं। पर्वतों पर उगे हुए पेड़ अपने ऊँचा उठने के कामना में चिंतित होकर एकटक आकाश की ओर निहार रहे हैं |

अचानक बादल उमड़ते हैं। बादलों में पर्वत और झरने अदृश्य हो जाते हैं। ऐसा लगता है जैसे पर्वत विशालकाय पक्षी की भाँति पंख फड़फड़ाकर उड़ जाते हैं। झरने ऐसे प्रतीत होते हैं जैसे उनमें अचानक एक सन्नाटा छा गया हो | मूसलाधार वर्षा आरंभ हो जाती है। शाल के पेड़ भयभीत होकर धरती में धंसने से लगते हैं। तालाब से धुआँ उठने लगता है। ऐसा लगता है जैसे इंद्र अपनी जादूगरी दिखा रहा है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) हमारी सामाजिक व्यवस्था का यह एक कटु यथार्थ है कि बुढ़ापे का सहारा कही जाने वाली संतानों या परिवार के अन्य लोगों की बेमेल विचारधारा से वृद्ध व्यक्ति त्रस्त होते हैं। सामान्यतः उनके पास कोई संपत्ति या अधिकार नहीं होता, लेकिन हरिहर काका की स्थिति इससे भिन्न दिखाई देती है। हरिहर काका के पास ज़मीन-जायदाद है, उनका अधिकार भी वास्तविक तौर पर सीमित नहीं है, परंतु वे इस रूप में भी एक नए शोषित वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं कि उनके सगे भाइयों के परिवार और सामाजिक व्यवस्था ने अपना स्वार्थ साधने के लिए उन्हें शोषण का शिकार एवं खिन्न मनोवृत्ति वाला बना दिया है। भाई उनकी संपत्ति के लिए जान लेने पर उतर आए हैं, तो पुलिस-प्रशासन सुरक्षा देने के नाम पर उनका शोषण कर रहा है। सामाजिक व्यवस्था में सर्वाधिक पवित्र मानी जाने वाली धार्मिक संस्थाओं का चरित्र भी ठाकुरबारी और महंत की गतिविधियों से स्पष्ट हो जाता है। शोषण करने में वे भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस तरह संपत्ति एवं अधिकार संपन्न तथा स्वतंत्र होते हुए भी हरिहर काका परिवार, धर्म एवं समाज द्वारा शोषित एक नए वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं। हरिहर काका जैसे अनेकों बड़े बूढ़े हमें अपने आसपास दिखेंगे जिनका घर के सदस्यों के लिए कोई महत्व नहीं है, इनको कोई इज़्ज़त नहीं देता है और उनकी संपत्ति की ताक में और उनके मरने के इंतज़ार में परिवार वाले बैठे रहते हैं। यह एक अभिशाप ही है की हम अपने बीते हुए कल को इतना महत्वहीन कर देते हैं की महंत जैसे बाहर के लोग हमारे बड़े बुजुर्गों पर अपनी धर्म की छाप छोड़ने से भी नहीं कतराते।

(ii) लेखक को अपने स्कूल में यदि कोई अच्छा लगता था तो वह था स्काउट परेड। स्काउट परेड में लेखक जब धोबी के घुले साफ़ -सुथरे कपड़े, पॉलिश किए हुए बूट, जुराबों को पहन कर ठक-ठक करके चलता था तो वह अपने- आपको फ़ौजी से कम नहीं समझता था। उसके साथ ही जब पीटी मास्टर परेड करवाया करते और उनके आदेश पर लेफ्ट टर्न, राइट टर्न या अबाऊट टर्न को सुनकर जब वह अकड़कर चलता तो अपने अंदर एक फ़ौजी जैसी आन-बान-शान महसूस करता था।

(iii) घर में टोपी और बूढ़ी नौकरानी की दशा एक जैसी ही थी। घर के छोटे-बड़े सब उन्हें डाँटते-फटकारते थे। बूढ़ी नौकरानी सीता को तो यह सब चुपचाप सह लेने का अनुभव था। जब भी टोपी किसी बात पर दादी या घर के अन्य सदस्य का विरोध करता तो उसे माँ से पिटाई खानी पड़ती। ऐसे में सीता उसे अपनी कोठरी में ले जाकर समझाती। सीता के आँचल में जाकर टोपी को भी सुकून मिलता था। उनके इस व्यवहार से हमें यह शिक्षा मिलती है कि पीड़ा या कष्ट की स्थिति में एक-दूसरे का सहारा बनने से एक संबल मिलता है। यदि व्यक्ति को लगता है कि हमारे साथ कोई है जिससे वह अपना दुःख-दर्द बाँट सकता है तो वह सुकून का अनुभव करता है।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. लड़का और लड़की मानव सामाजिक विकास रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं। समाज के विकास के लिए इन दोनों की समान रूप से सहभागिता अनिवार्य है। भारतीय संस्कृति में नारियों को उत्कृष्ट सम्मान दिया जाता है। आज के समय में लड़कियों को भेद-भाव की नज़रों से देखा जाता है। कुछ लोग तो लड़की के जन्म को अभिशाप मानते है और लड़के के जन्म से उनकी प्रसन्नता बढ़ जाती है। सच्चाई तो यह है कि चाहे जन्म लड़का ले या लड़की इस पर किसी का वश नहीं है। यह तो ईश्वरीय देन है। भगवान ने लड़का-लड़की को एक समान रूप से बनाया है। इस अंतर का मुख्य कारण है कि बेटी के जन्म के बाद ही माता-पिता को उसकी शादी और दहेज की चिंता सताने लगती है। समय तेजी से बदल रहा है लड़कियों ने अपने दम पर यह साबित कर दिया है कि वे किसी से कम नहीं हैं। आज लड़कियाँ व्यवसाय और व्यापार के हर क्षेत्र में अपना नाम कमा रही हैं। इस प्रकार समाज के इस भेद-भाव वाले दृष्टिकोण को शिक्षा द्वारा बदला जा सकता है।

अथवा

आज की बचत कल का सुख

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।

जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।

हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।जो लोग बचत नहीं करते हैं वे अक्सर पैसे की अनुपस्थिति में रहते हैं। आज, सभी प्रमुख कंपनियां छोटी बचत को प्रोत्साहित करती हैं। सभी प्रमुख कार्यालयों में आर्थिक प्रबंधन के लिए अलग-अलग विभाग होते हैं, जो अपने कार्यालय की आय के साथ बचत का खाता भी रखता है।

अथवा

वर्तमान जीवन शैली- आज जहाँ भी देखो ऊँची-ऊँची बहु मंजिला इमारतें हैं। प्रत्येक मनुष्य का सपना है कि वह इन इमारतों में सुख पूर्वक रहे। इन इमारतों के कारण धीरे-धीर मनुष्य के रहन-सहन व जीवन शैली में बदलाव आया है। इनमें रहना आधुनिकता का सूचक है। फ्लैट सिस्टम के कारण पड़ोस कल्चर खत्म हो गया है। आज मनुष्य एकाकी जीवन जीने लगा है। छोटे-छोटे फ्लैटों के कारण संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार ने ले ली है। मानव अपने में ही सिमट गया है।

लोग दूसरों के घर-परिवार में दखलंदाजी नहीं करते। सब अपने काम में ही व्यस्त रहते हैं।
सुविधाएँ-मकानों का अभाव- यह फ्लैट सभी सुविधाओं से सम्पन्न होते हैं। ये जितने सुविधाजनक होते हैं उतने प्रतिष्ठा के सूचक भी। इन फ्लैटों में रहने वाले अमीर और इज्जतदार माने जाते हैं। इसके साथ ही आज आवासीय जमीनों की कमी के कारण भी फ्लैट सिस्टम को बढ़ावा मिला है। फ्लैट आज के समय की जरूरत है।
हानियाँ- बहुमंजिला इमारतें सुविधाजनक होने के साथ हानिकारक भी हैं। यह इमारतें ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाती है। इनमें होने वाली ऊर्जा की खपत और पृथ्वी का खनन सब हानियाँ हैं। इसके साथ फ्लैट सिस्टम के कारण बच्चों को बुजुर्गों का प्यार व संस्कार भी नहीं मिल पाते हैं। परस्पर सहयोग व मिल-जुल कर रहने की भावना का विकास भी इस फ्लैट सिस्टम के कारण खत्म होता जा रहा है। असामाजिक गतिविधियों को भी फलने-फूलने का अवसर इस फ्लैट सिस्टम में आसानी से मिल जाता है।

15. सेवा में,
माननीय शिक्षा मंत्री जी,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली।
दिनांक- 22 अगस्त 20....
विषय - सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने हेतु।
महोदय,
मैं दिल्ली शहर के पिछड़े इलाके का निवासी हूँ। यहाँ की अधिकांश जनता गरीब व अशिक्षित है। जिन बच्चों को पढ़ने का अवसर मिल रहा है, वे धनाभाव के कारण पुस्तकें, समाचार पत्र व पत्रिकाएँ पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। इसीलिए इस क्षेत्र में एक पुस्तकालय की अत्यंत आवश्यकता है। अभी तक इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। यदि आप इस इलाके में एक सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की व्यवस्था करा दें तो इस क्षेत्र की जनता आपकी अत्यन्त आभारी रहेगी। साथ ही साक्षरता में आपकी भागीदारी भी प्रशंसनीय रहेगी।
भवदीय,
क्षेत्रीय नागरिक,
गिरीश

अथवा

45/2, सरोजिनी नगर,
दिल्ली
2/10/20XX
प्रिय नगर-निगम अधिकारी,
मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि हमारे घर में पिछले कई दिनों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जो हमारे जीवन की गुणवत्ता पर असर डाल रहा है। यह समस्या हमारे स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए भी हानिकारक है।
आपसे अनुरोध है कि आप इस समस्या के निवारण के लिए उचित कदम उठाएं। संबंधित विभागों को इस बारे में सूचित करें और जल्दी से जल्दी समस्या का समाधान करने का आदेश दें। यह समस्या हमारे परिवार के और हमारे पड़ोसी के घरों को भी प्रभावित कर रही है।

आपका धन्यवाद,
हर्ष

16.

मैजेस्टिक क्लब, कोलकाता
सूचना
मेगा चैरिटी शो

30 मार्च, 2019

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि क्लब द्वारा 02 अप्रैल 2019 को क्लब के ओडीटोरियम में एक मेगा चैरिटी शो के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसका आयोजन प्रातः 10 बजे होगा। यह गली में रहने वाले लोगों के लिए है। जो इस शो में हिस्सा लेना चाहते हैं, वे अपने सुझावों के साथ अपना नाम 5 दिनों के अंदर सचिव को दे सकते हैं।
(सचिव)

अथवा

सर्व शिक्षा विद्यालय, मुंबई
सूचना

8/10/2023

साइबर-सुरक्षा कार्यशाला
हम सर्व शिक्षा विद्यालय के विद्यार्थी परिषद् के अध्यक्ष मोहन चटर्जी हैं। हम खुशी से बताना चाहते हैं कि हमारे विद्यालय में साइबर-सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में हम साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीके और इंटरनेट पर सुरक्षित रहने के महत्वपूर्ण टिप्स सिखेंगे। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है, और हम उम्मीद करते हैं कि आप सभी इसमें भाग लेंगे। कृपया निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित हों।
समय एवं अन्य विवरण इस प्रकार है:
दिनाक एवं समय: 8/10/2023
समय प्रात: 10 बजे से 7 बजे तक
स्थान: विद्यालय प्रांगण
मुख्य आकर्षण: नृत्य नाटिका प्रदर्शन
मोहन चटर्जी
अध्यक्ष
विद्यार्थी परिषद्

17.

देवकी नंदन शर्मा का प्रसिद्ध नाटक ताजमहल

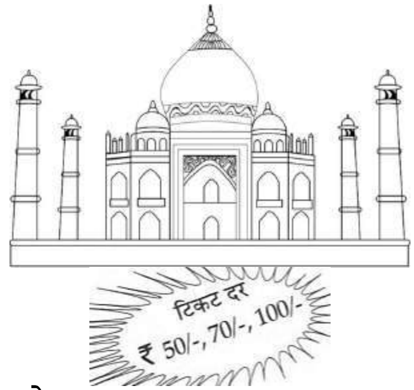

इस नाटक को मंचन किया जा रहा है
दिनांक -18 अगस्त
समय- सायं 6 बजे
स्थान- विकास सदन
प्रस्तुतकर्ता- अहंग समूह

10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क

अथवा

सेल! सेल! सेल!
मज़बूती में इसका नहीं जवाब,
सामान की करे सुरक्षा बेहिसाब,
इसकी सुंदरता है लाजवाब
(50% तक की छूट)
जल्दी कीजिए
कहीं ऑफर छूट न जाए

मोनिका पर्स स्टोर

18.

सोशल साइट्स की कहानी

मैं आज आपको सोशल साइट्स की कहानी उनकी ही जुबानी सुनाने जा रहा हूँ।
मुझसे (सोशल साइट्स) तो आप भली भाँति परिचित होंगे। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो मेरा उपयोग आज के दौर में नहीं करता हो। मैं आप सभी के मोबाइल फोन में विभिन्न रूपों में पाया जाता हूँ। जैसे कि मेरे कुछ रूप हैं फेसबुक, व्हाट्सप्प, ट्विटर, इन्स्टाग्राम आदि। जब से मैंने आपके जीवन में प्रवेश किया, आपकी अनेक मुश्किलों का समाधान कर दिया। आप मेरे जरिए अपने

मित्रों, सगे-संबंधियों से आसानी से जुड़ सकते हैं। साथ ही आप देश-दुनिया की गतिविधियों की भी जानकारी पाते हैं। लेकिन इसके साथ कुछ लोगों ने विभिन्न रूपों में मेरा गलत इस्तेमाल किया है और इसके कारण मुझे गलत कार्यों के लिए जिम्मेदार बना दिया गया है। मैं सभी के फायदे और अच्छे के लिए ही बनाया गया था। अब ये आपके ऊपर निर्भर करता है कि आप मेरा उपयोग किसके लिए करते हैं।

अथवा

From: Prerna56@gmail.com
To: shailendraschool@gmail.com
विषय - नौकरी से त्यागपत्र देने हेतु।
महोदय,
मेरा नाम प्रेरणा है। मैं आपके प्रतिष्ठित विद्यालय में एक शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। मैं आपको यह सूचित करना चाहती हूँ कि व्यक्तिगत कारणों की वजह से मैं नौकरी से अस्थायी रूप से इस्तीफा देने जा रही हूँ।
मेरे कार्यकाल के दौरान मुझे विद्यालय के साथीयों का साथ और समर्थन मिला है, जिसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। में नोटिस अवधि के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने की पूरी कोशिश करूँगी। कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। आपकी अति कृपा होगी।
बहुत आभारी और सादर,
प्रेरणा